डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 46 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 25 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

भोजन करने की नोक-झोंक में दंपति ने जहर खाया

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 11.45 बजे अभिनंदन क्षेत्र के तिलक नगर में भोजन करने की बात पर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ।

अस्पताल पुलिस व परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के ड्राइवर वीरेंद्र पिता राकेश राठौर 26 निवासी पीपलेश्वर महादेव गली नंबर 2 अभिनंदन ने पत्नी ममता को एकादशी का उपवास होने पर भोजन करने को कहा, इस बात पर दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद के चलते गुस्साए वीरेंद्र ने चूहा मार दवाई खा ली। इसके पश्चात उसकी पत्नी ममता राठौर 25 ने भी उक्त दवाई का सेवन किया। घटना में दोनों की हालत बिगड़ी। जिन्हे उपचार हेतु बड़े अस्पताल लाया गया। यहा से वीरेंद्र की हालत नाजुक होने पर उसे रेफर किया गया। जबकि ममता का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। सूचना के बाद शहर कोतवाली से एसआई लाखनसिंह भूरिया, संदीप मौर्य बड़े अस्पताल पहुंचे और घायलों के परिजनों से बयान लिए। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

ठंडी पड़ी सोशल मीडिया की फर्जी आईडी

चुनाव में जमकर हुआ उपयोग, अब नहीं दिख रही एक्टिव

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सोशल मीडिया का विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार के लिए दोनों ही दलों ने खासा उपयोग किया तो जबरदस्त फोकस भी रणनीति के साथ इस पर किया गया। इसमें फर्जी आईडी के साथ लाईक-कमेंट्स खरीदने का खेल भी सामने आया। इस संबंध में दैनिक 'गुरु एक्सप्रेस' ने खुलासा भी किया था। चुनाव के बाद अब इस खबर पर मुहर भी लग गई। अब चुनाव के समय अस्तित्व में आई कई आईडिया जो नेताजी की पोस्ट शेयर करती, कमेंट्स करती और लाईक करती, अचानक से गायब हो गई। अब नेताजी की पोस्ट कुछ लोगों की लाईक और कमेंटस तक ही सीमित रह गई है।

खबर पर मुहर

कहां गए विपक्षियों के तेवर...

चुनाव के पहले जैसे ही किसी नेताजी या उनके समर्थक के पोस्ट फेसबुक पर शेयर करते ही उनके विरोधी अचानक से एक्टिव हो जाते थे। उस पर नेताजी के समर्थकों का मनोबल गिराने के लिए लगातार एक के बाद एक कमेंट्स आते हुए देखे जा सकते थे। यह विधानसभा चुनाव में कई नेताजी के रणनीति का हिस्सा था। लेकिन, अब जिन आईडी से कमेंट्स आ रहे थे, वह आईडी निष्क्रीय हो गई है। उन्हें नेताजी की पोस्ट से कोई मतलब नहीं है। जहां नेताजी की पोस्ट पर उनके खिलाफ या उनकी पार्टी के खिलाफ कमेंटस आते थे, अब सिर्फ उनके समर्थक ही उनका हौसला अफजाई करते नजर आ रहे हैं।

लाईक-कमेंट्स अचानक से ठंडे पड़े...

चुनाव में एक खेल और लाईक और कमेंट्स खरीदने का सामने आया था। जिसे भी 'गुरु एक्सप्रेस' ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसमें किए गए खेल पर भी मुहर लगती नजर आ रही है।

सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी का खेल..!
नेताजी के कट्टर समर्थकों की संख्या बढ़ी, चुनाव के समय याद आया फेसबुक पर आईडी बनाना
नेताजी की शुद्ध भक्ति...
हाल में ही तैयार की गई आईडी...
बनाया जा रहा माहौल...
विरोधी के लिए लगातार कमेंट्स...

दैनिक गुरु एक्सप्रेस में दिनांक 27 अक्टूबर 2023 को प्रकाशित समाचार

पहले नेताजी के फॉलोअर्स से ज्यादा लाईक और कमेंट्स उनके समर्थकों के आ रहे थे। मतलब जितने लोग उन्हें सही तरीके से नहीं जानते, वह भी कमेंट्स या लाईक करके समर्थन दे रहे थे। लेकिन, चुनाव बाद नेताजी की पोस्ट चुनींदा लोगों के कमेंटस और लाईक में सीमट गई है।

चुनाव के लिए तैयार की गई थी आईडी...?

फेसबुक पर नेताओं और उनके समर्थकों की आईडी चेक की जाए तो कई आईडी हाल ही में बनी है। मतलब साफ है कि चुनाव के पहले नेताजी के पक्ष में माहौल तैयार करने के लिए यह काम किया गया था। इस तरह की आईडी में म्युचल फ्रेंड की संख्या देखे तो एक या दो ही मिलेगी। इसका कारण है कि आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट विशेषकर उसी विस क्षेत्र के लोगों को भेजी गई। जिससे नेताजी चुनाव में खड़े हुए थे। नेताजी की शुद्ध तरीके से भक्ति नजर आ रही है। इससे साफ होता है कि कहीं न कहीं सोशल मीडिया के खेल में मैदान मारने के लिए उठापटक की गई थी। कई फेसबुक आईडी पर प्रोफाइल पर नेताजी की तस्वीर लगाई गई है। आईडी के माध्यम से नेताजी के पोस्ट डाले जा रहे थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लाईक और कमेंट्स भी कुछ एक ही तरह के लोगों के द्वारा हो रहे हैं।

निर्माणाधीन पानी की टंकी ढही, मजदूर हुए चोटिल

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जल जीवन मिशन के तहत जल निगम द्वारा गांधीसागर समूह जलप्रदाय योजना-1 में जिले के पालड़ी गांव में निर्माणाधीन पेयजल टंकी का उपरी हिस्सा भरभराकर गिर गया। जिससे वहां काम कर रहे कुछ मजदूरों को चोटें आई हैं। शुक्रवार को पेयजल टंकी का एक हिस्सा ढह गया और पंचायत से लेकर जल निगम के जवाबदारों को इस हादसे की जानकारी तक नहीं हो पाई। हादसे के बाद देर शाम विभागीय अधिकारी को सोशल मीडिया पर खबर वायरल होने के बाद इस बारे में पता चला तो उन्होंने जानकारी ली। करीब 15 लाख की लागत से नई पेयजल टंकी निर्माण का काम चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, गांधीसागर समूह जलप्रदाय योजना - 1 में जिले के गांव पालड़ी में पेयजल टंकी का निर्माण कार्य चल रहा था। पेयजल टंकी 12 से 15 लाख रुपए की लागत में पंचायतों में इस योजना में बन रही है। पेयजल टंकी के पिल्लर खड़े हो गए थे और ऊपरी हिस्से का स्लैब डाला गया था। जो गिला था, सुखकर मजबूत नहीं हुआ था और नीचे की लकड़ी की बल्लियों का सपोर्ट हटा, जिससे यह स्लैब भरभराकर गिर गया। इससे नीचे काम कर रहे 3 मजदूरों को चोट आई हैं। उन्हें बड़े अस्पताल लाया गया। जहां एक्स-रे से लेकर प्राथमिक उपचार किया गया।

ट्रक से मिला 12 क्विंटल अवैध डोडाचुरा, एक गिरफ्तार

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर की सिटी थाना पुलिस ने शुक्रवार को अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक में अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद किया है। मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

दरअसल, नीमच सिटी थाना पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि एक ट्रक में आलू के बोरों के नीचे अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा तस्करी कर ले जाया जा रहा है। जिस पर सिटी थाना पुलिस टीम के जेतपुरा फंटा मनासा रोड बालाजी मंदिर के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध ट्रक आरजे 24-जीए- 2240 को रोककर तलाशी ली। वाहन चालक से पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम नाहर खां पिता अजीज खां पठान उम्र 50 साल निवासी ग्राग अम्बावली जिला प्रतापगढ का रहना बताया। वहीं, ट्रक की तलाशी लेने पर ट्रक में 108 आलू के कट्टों के नीचे में 60 काले रंग के प्लास्टिक के कट्टों में छिपाकर ले जाते अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा बरामद किया है। जब्त मादक पदार्थ डोडा चुरा का कुल वजन 12 क्विंटल था। मामले में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा, आलु के कट्टे एवं वाहन जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिटी थाना पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत अपराध पंजी बद्ध कर जांच शुरू की है। नाहर खां उक्त डोडाचुरा कहां से लाया एवं किसे देने जा रहा था इसके संबंध में रिमांड प्राप्त कर पूछताछ करेगी।

दुकानें आवंटन के लिए व्यवसाई कर रहे इंतजार, भ्रष्टाचार के आरोप

मेला झमेला

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। आचार संहिता के साये इस साल भगवान पशुपतिनाथ मेले का नियंत्रण पूरी तरह प्रशासन के हाथ में है। नगर पालिका मेले की व्यवस्थाओं को संभालने की जिम्मेदारी संभाल रहीं है। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी मेले में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे है। मेले में व्यवसाय करने आए व्यापारियों ने आरोप लगाया कि वे सुबह से कतार में लगे हुए है। लेकिन, उन्हें दूकान के लिए फार्म नहीं मिल रहा है। जबकी नगर पालिका कर्मचारी गलत तरीके से पैसे लेकर फार्म गुपचुप तरीके से उपलब्ध करा रहे है।

बता दें कि देवउठनी एकादशी से प्रारंभ होने वाला भगवान पशुपतिनाथ का पाटोत्सव मेला इस बार आचार संहिता में अनुमति के कारण अब तक प्रारंभ नहीं हो पाया है। प्रशासन ने भले ही गुरुवार को मेले का औपचारिक शुभारंभ कर दिया। लेकिन शुक्रवार तक मेले में व्यापारियों को प्लाट भी नहीं मिल पाऐ। इसके लिए प्रक्रिया शुरु हुई। शुक्रवार की सुबह नगर पालिका कर्मचारियों ने प्लाटों के लिए आवेदन लेना शुरु किया। प्लॉट के लिए 1300 रूपऐ और 1100 रूपऐ अमानत राशि नगर पालिका द्वारा ली जा रहीं है। लेकिन, सुबह से कतार में लगे व्यापारियों का कहना है कि वे सुबह से कतार में लगे है। किन्तु, उनका नंबर नहीं

आया। जबकी नगर पालिका कर्मचारियों को अवैध रूप से निर्धारित से ज्यादा राशि दे रहा है, उसे चुपचाप फार्म दिए जा रहे है। जिसके कारण सुबह से लेकर शाम तक कतार में लगे रहे। लेकिन, कतार में 700 से ज्यादा लोगों का नंबर नहीं आ पाया। हालांकि नगर पालिका कर्मचारी ने किसी भी तरह के आरोपों से इंकार किया है। मेले में प्लॉट के लिए कतार में लगे अखिलेश तिवारी ने बताया कि दुकान के लिए कतार में लगे है। दो दिन हो गए है, लंबी लाईने लगी है, सभी परेशान हो रहे है। लेकिन, कतार आगे नहीं बढ रही है। अंदर सेटिंग की बात सामने आ रहीं है, पैसे लेते हुए किसी ने वीडियों भी बनाया है। व्यापारी घनश्याम ने बताया कि सुबह से महिला-पुरूष सभी कतार में लगे है। 1300 रूपऐ किराया और 1100 रूपऐ कुल 2400 रूपऐ जमा करने है। लेकिन, नपा कर्मचारी चाय के बहाने से बाहर आकर दस फार्म पर एक हजार रूपऐ अतिरिक्त लेकर लोगों को अंदर ले जा रहा और फार्म ले रहे हैं। बाहर कतार में जो लगे है। उनके दिन भर में 10 फार्म भी जमा नहीं हो पाए है। इस मामले में कर्मचारी राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि आरोप झूठे है, भीड़ अंदर आ गई और हंगामा कर रहीं है, पैसे कौन देगा।

हर साल लगते आरोप, लोकायुक्त भी कर चुका कार्रवाही...

पशुपतिनाथ मेले में हर साल भ्रष्टाचार के आरोप लगते है। पिछले साल तो लोकायुक्त ने कार्रवाही भी की थी। बावजूद मेले की व्यवस्थाओं में परिवर्तन नहीं हो पाया। जबकि, इस बार तो पूरा मेला प्रशासन के अधीन है। बावजूद इसके नगर पालिका कर्मचारियों पर हर बार की तरह ही आरोप लग रहे है।

डॉ. योगिता सोमानी बनी शोध निदेशक

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय मंदसौर की

सहायक प्राध्यापिका श्रीमती डॉ. योगिता सोमानी को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में शिक्षा, शास्त्र विषय में शोध निदेशक (रिसर्च गाइड) के रूप में मान्यता दी गई। आप शिक्षा के क्षेत्र में कई वर्षो से उत्कर्ष कार्य कर रही है। आपके अभी तक सात से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं और लगभग पचास से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सेमिनारों एवं वर्कशापों में अपनी सहभागिता प्रदान की है। आपने 2018 में दुबई में भी अपने शोधपत्र का प्रस्तुतीकरण दिया है। वर्तमान में आप शिक्षा से जुडी पुस्तकों पर कार्यरत है। सोमानी परिवार एवं सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय मंदसौर का समस्त स्टॉफ आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है।

मंदसौर में होगा पिंक मतगणना केन्द्र, महिला कर्मचारियों की देखरेख में होगी काउंटिंग

कांग्रेस ने ली आपत्ति, निर्वाचन आयोग को लिखा पत्र

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिले में प्रशासन द्वारा मतगणना को लेकर किए जा रहे नवाचार पर कांग्रेस ने आपत्ति ली है। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर मंदसौर को पिंक काउटिंग स्थल नहीं बनाऐ की मांग की है। दरअसल मंदसौर जिला कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने मतगणना के दिन मंदसौर में एक नया नवाचार करने का निर्णय लिया है। जिसमें मतो की गिनती का पूरा काम महिलाऐ करेंगी। गणना, पर्यवेक्षक, माईक्रो आब्र्जवर, डाक मतपत्र गणना सहायक, गणना सहायक जैसी जिम्मेदारी दी गई है। इस तरह 275 नामों की सूची भी जारी हो गई। जो सभी महिलाऐ है। यानि 100 फीसदी महिला स्टॉफ सुबह 6 बजे से 22 राउंड की काउंटिग, नतीजे घोषित होने तक तैनात रहेंगी।

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने इस प्लान को लेकर लगतार बैठकों में मंथन किया और निर्णय लिया कि मतगणना के लिए पर्याप्त महिला अधिकारी-कर्मचारी उपलब्ध है। ऐसे में उनकी सेवा लेना ठीक होगा। कलेक्टर यादव के मार्गदर्शन में मंदसौर के पीजी कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पर आवश्यक तैयारियों के साथ 3 दिसम्बर की काउंटिग टेबलों, गणना, नतीजे तैयार करने जैसे कामों के लिए 275 महिलाओं के नामों के आदेश जारी किए गए है।

इन विभागों की महिला कर्मचारियों की हुई नियुक्ति...

मतगणना में जिला निर्वाचन कार्यालय ने बैंकिंग, कोषालय, जिला पंचायत, जनपद, लोक निर्माण, उद्यानिकी, शिक्षा, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, भारतीय जीवन बीमा निगम, कृषि, महिला बाल विकास विभाग जैसे सेक्टरों में कार्यरत महिलाओं की ड्यूटी लगाई है। 100 फीसदी महिला स्टॉफ मतगणना, नतीजे तैयार करवाएगा।

कांग्रेस की यह है आपत्ति...

प्रशासन के निर्णय पर कांग्रेस ने आपत्ति लेते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी भोपाल को पत्र लिखा है। जिसकी प्रतिलिपी पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को भी भेजी गई है। पत्र में लिखा गया कि मंदसौर कलेक्टर द्वारा नवाचार के नाम पर मंदसौर जिले को पिंक काउंटिंग केन्द्र बनाया जाकर उसमें शत-प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति की जा रहीं है। पूरे प्रदेश में केवल मंदसौर जिले में ही महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की जाकर इस प्रकार का प्रयोग किया गया है। जिसमें गणना पर्यवेक्षक, माईक्रो आब्र्जवर, डाक मतपत्र गणना सहायक एवं गणना सहायक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां महिला कर्मचारियों को दी जा रहीं है। महिला कर्मचारियों को काउंटिग कार्य का पर्याप्त अनुभव नहीं है। इस नवाचार से मतगणना कार्य एवं परिणाम प्रभावित होने की आशंका है। इसलिए मतगणना कार्य के अनुभवी रहे पुरूष एवं महिला कर्मचारियों की मतगणना हेतु नियुक्ति की जाए।

आठ साल पुराने मामले में न्यायालय का फैसला...

एक आरोपी को आजीवन कारावास

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर सत्र न्यायाधीश जावद श्री संदीप कुमार जैन द्वारा रूपयों के विवाद के कारण शराब में नींद की गोलिया मिलाकर बेहोश करके दो व्यक्तियों को कुएं में फैककर उनकी हत्या करने वाले आरोपी जोरसिंह पिता मेघराज बंजारा उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम साकरीया खेडी थाना कुकडेश्वर, जिला नीमच को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

विशेष लोक अभियोजक श्री योगेश कुमार तिवारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 27 नवंबर 2015 को मृतक सज्जनसिंह उर्फ राजू तथा मृतक भंवरसिंह ने ट्रक मालिक प्रभुलाल के कहने पर सैलाना जिला रतलाम से ट्रक में सोयाबीन की 220 बोरीयों को धानुका ऑईल मिल नीमच में खाली करने के लिए भरा था। इसके पश्चात् ग्राम चल्दू के पास अभियुक्त जोरसिंह तथा गोविंद ने दोनों मृतकों के साथ मिलकर ट्रक में भरे सोयाबीन को धानुका ऑईल मिल नीमच में न ले जाते हुए ग्राम भगुनिया में जोरसिंह के ससुराल में खाली कर दिया व खाली ट्रक नारायणगढ, जिला मंदसौर के पास लावारिस हालत में छोड़ दिया। सोयाबीन से भरा ट्रक नीमच न पहुंचने पर थाना सैलाना जिला रतलाम पर सोयाबीन गबन का अपराध मृतक एवं ट्रक मालिक प्रभुलाल के विरूद्ध पंजीबद्ध हुआ। जिसकी जानकारी मृतक राजू को होने पर उसने अभियुक्त जोरसिंह को मोबाईल पर कहा कि हमको और रूपए दो, नहीं तो हम थाने में बता देंगे। ट्रक मालिक प्रभुलाल अपनी रिश्तेदारी में चला जाने से 29 दिसंबर 2015 को अभियुक्त जोरसिंह, गोविंद व भेरूसिंह ने दोनों मृतकों को कुकडेश्वर बुलाया और योजना अनुसार उन्हे शराब में नींद की गोलिया मिलाकर बेहोश किया। फिर बेहोशी की हालत में दोनों को ग्राम सरवानियां महाराज स्थित सत्यनारायण पाटीदार के कुए में फैक दिया। जहां दोनों मृतको की योजना अनुसार कुए में डूबने से मृत्यु हो गई।

कुए में दोनों मृतकों की लाश मिलने से थाना जावद में मर्ग कायम कर जांच की गई। जिसमें पाया की अभियुक्तो ने सोयाबीन के रूपयों के लेनदेन के विवाद में दोनों लोगो की योजना बनाकर हत्या की हैं। पुलिस ने हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया। अभियुक्त जोरसिंह को गिरफ्तार किया गया तथा शेष दोनो अभियुक्त भेरूलाल व गोविन्द के फरार होने से अभियुक्त जोरसिंह के संबंध में विवेचना उपरांत अभियोग-पत्र जावद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए शासन द्वारा इस प्रकरण को जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण के रूप में चिन्हित किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक श्री योगेश कुमार तिवारी द्वारा की गई।

सरकार बनाने के लिए मतों की गिनती अभी बाकी, पर मंत्री पहले से ही बनने लगे...!

मंदसौर/उज्जैन, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 3 दिसंबर को होने वाली है। कयास भी अभी दल की जीत हार के ही लगाया जा रहे हैं। तय अभी कुछ हुआ नहीं है, होना बाकी है। पर, दोनों दलों से प्रत्याशी बन चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने मंत्री बनने का दावा करना, बनने का दावा करना अभी से शुरू कर दिया है। ऐसा होना, किया जाना भी मानव स्वभाव और खुद को राजनीतिक विशेषज्ञ साबित करना होता है। नतीजे के बाद अगर किसी प्रत्याशी और उसके समर्थकों का दावा सच हो जाता है तो राजनीतिक जगत में उनका रुतबा बढ़ना स्वाभाविक होता है। इस बार के चुनाव में जितना बीजेपी को सरकार फिर से बनाने का भरोसा है, उससे ज्यादा कांग्रेसी जनमत में बदलाव की बयार के सहारे सरकार बनाने की उम्मीदें पाले हुए हैं।

सच माना जाए तो अभी मतदान के 7 दिन बाद भी कोई दावे के साथ यह दावा करने की स्थिति में नहीं है कि कांग्रेस और भाजपा में से कौन सा दल सरकार बनाएगा ही। करीबी फाइट और लगभग का सहारा लेकर कहीं जा रही बातों को दावो की तरह शाश्वत नहीं माना जा सकता है। ऐसे ही जीत और सरकार बनने की उम्मीद में मंत्री, राज्य मंत्री संभावित बनाए जा रहे हैं। यहां तक की खुद प्रत्याशी भी बन रहे हैं। यह जानते हुए की असमंजस वाले चुनावी वातावरण में जीत- हार ही संशय में डूबी पड़ी है। किन्तु, इच्छाओं के उबाल को दबा पाना भी मुश्किल काम होता है। क्षेत्र के राजनीतिक वातावरण में चल रही चर्चाओं का भरोसा करें तो कांग्रेस अगर सरकार बना लेती है तो पहली बार ही चुनाव लड़कर जीतने वाले युवा को अवसर मिल सकता है। इसका कारण माना जा रहा है कि बीते 15 सालों से कांग्रेस इस क्षेत्र में संघर्ष के बाद भी जीत नहीं पाई है। युवा जीता और सरकार बनी तो भविष्य में कांग्रेस की पेठ जमाने के लिए अवसर दिया जा सकता है। ऐसे नाम में विपिन जैन नया चेहरा है। जबकि, राकेश पाटीदार और समंदर पटेल पिछला चुनाव हार चुके हैं। वरिष्ठ अनुभवों के नाम लिए जाएं तो नरेंद्र नाहटा, सुभाष सोजतिया में से किसी एक को ही अवसर मिलेगा।

चन्द्रमोहन भगत

यदि युवा का फार्मूला अपनाया गया तो भाजपा के वर्तमान विधायकों में से दो जगदीश देवड़ा और ओमप्रकाश सकलेचा बीती सरकार में मंत्री थे ही। सरकार बनी तब भी क्षेत्र से दो ही मंत्री बनेंगे, विधायक सभी बनेंगे तब भी, क्योंकि क्षेत्रीय और जातीय सामंजस्य भी बनाए रखना संगठन और सरकार की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के साथ भी रहेगी। भाजपा में भी प्रत्याशी पुराने हैं, इसलिए पूर्व मंत्रियों में से कोई भी एक ड्रॉप किए जाने की संभावना प्रबल होती जा रही है। कांग्रेस ने युवा और पिछड़ा वर्ग जिन का मत प्रतिशत अधिक है, को प्रत्याशी बनाया है। अगर जीतेंगे और सरकार बनी तो इनको प्रतिनिधित्व दिया भी जा सकता है।

भाजपा में लगातार तीन से अधिक बार विधायक बनते आ रहे विधायकों और मंत्रियों में भी इस बार छटनी होने की संभावना के चलते तीन बार से अधिक बार विधायक बनने वालों को मंत्री बनाए जाने की संभावना है। इस तरह के राजनीतिक वातावरण को रघुनंदन शर्मा के एक साक्षात्कार ने भी प्रबल बना दिया है। उनका यह भी कहना है कि पार्टी में दो या तीन बार चुनाव लड़ने के बाद क्षेत्रीय जनमत को पार्टी का बनाए रखने के लिए प्रत्याशी बदलने चाहिए और संगठन में काम लेना चाहिए। जबकि, वर्तमान में भाजपा ने ही चौथी बार कई विधायकों को प्रत्याशी बनाया है। रघुनंदन शर्मा के कथन ने इस संभावना को भी बल दिया है कि तीन बार से अधिक जो मंत्री बन चुके हैं उनके स्थान पर नए को अवसर देकर अनुभवियों की संख्या बढ़ाना चाहिए। ताकि पार्टी को लाभ मिल सके। विशेष यह भी स्पष्ट तौर पर कहा की लाडली बहना योजना का लाभ भाजपा को कभी वोट न देने वाले कांग्रेस के पक्षकारों को मिला। जिनके पांच प्रतिशत मत भी बीजेपी नहीं को नहीं मिलते हैं। सबकी खबर पर रघु जी ने साफगोई से कहकर प्रदेश नेतृत्व से अपनी नाराजगी और नतीजे पर प्रतिक्रिया दे डाली याने भाजपा में बदलाव आवश्यक माना जा रहा है। चुनाव नतीजे में जीत मिले या हार।

विचार-मंथन

बढ़ते खसरे के मामले चिंताजनक...

इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा दौर में सामान्य से लेकर जटिल रोगों के इलाज और उससे पार पाने के तमाम उपाय चिकित्सा जगत निकाल रहा है। इसके बावजूद आज भी कई ऐसे रोग हैं, जिनसे लंबे वक्त से लड़ाई चल रही है। उनके उन्मूलन के प्रयास चल रहे हैं। मगर अक्सर कुछ बीमारियों के फिर से सक्रिय हो जाने का खतरा मंडराने लगता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ और अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र यानी सीडीसी की ताजा रिपोर्ट में यह सामने आया है कि खसरे के टीकाकरण में पिछले कुछ वर्षों की गिरावट के बाद 2022 में इस रोग के मामलों में अठारह फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर नब्बे लाख तक पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 और 2022 के बीच खसरे से होने वाली मौतों में तैंतालीस फीसद का इजाफा हुआ है। इसकी गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले साल इस रोग से एक लाख छत्तीस हजार लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। गौरतलब है कि एक विषाणु से होने वाले संक्रमण के लिहाज से खसरा अत्यधिक संवेदनशील रोग है। संक्रमित व्यक्ति की सांस, छींक या खांसी से निकलने वाली बूंदों से भी यह रोग तेजी से फैलता है। इससे मरीज की जान तक चली जाती है। सवाल है कि अचानक इस रोग के खतरा बन जाने के हालात कैसे पैदा हो गए, जबकि इससे निपटने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक तस्वीर दिखने लगी थी। इसे लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में खसरे के टीकाकरण की दर में काफी गिरावट दर्ज की गई थी। इसका कारण कोरोना महामारी और इससे उपजे हालात को माना जा रहा है, जिसमें अन्य बहुत सारे जरूरी कामों के साथ-साथ कई बीमारियों की रोकथाम के लिए समयबद्ध टीकाकरण का काम भी व्यापक पैमाने पर प्रभावित हुआ था। आमतौर पर खसरा के टीके की दो खुराक दी जाती है। 2021-22 के बीच लगभग 3.3 करोड़ बच्चे इससे वंचित रह गए, जिनमें से ज्यादातर को पहली और बहुत सारे बच्चों को दूसरी खुराक नहीं मिल पाई। जबकि माना जाता है कि इस रोग से लड़ने के लिए सबसे कारगर रास्ता टीकाकरण ही है। विडंबना है कि एक समय जहां इसके उन्मूलन को लेकर उम्मीदें जगने लगी थीं, वहीं पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसका खतरा तेजी से फैलने लगा है। 2021 में बाईस देशों में इसके असर का पता चला था, मगर 2022 में इसकी चपेट में आने वाले देशों की संख्या सैंतीस हो गई। इसका सीधा अर्थ है कि खसरे पर नियंत्रण पाने के दावों या कोशिशों के उलट इसका प्रकोप अब तेजी से फैलने लगा है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि जिन देशों में खसरा के नए मामले पाए गए हैं, वहां इसके उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिए जाने की बात कही गई थी या फिर वे इसके करीब थे। डब्लूएचओ के मुताबिक, भारत खसरा के मामलों में दुनिया भर में चौथे स्थान पर है। यहां 'मिशन इंद्रधनुष' की मदद से सन 2023 तक खसरे को खत्म करने की बात कही गई थी। मगर फिलहाल जो हालात दिख रहे हैं, उसमें खसरे के खतरे से जूझ रहे दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ भारत के लिए भी एक नई चिंता उभर गई है।

जीत हार जो भी हो मोदीजी की होगी

शकील अख्तर

भाजपा और उसका समर्थक मीडिया पहले से ही कहानी बनाने लगा है। ताकि 2024के चुनाव में फेश मोदी जी को पेश किया जा सके। मोदी जी और मीडिया को अभी भी यह भरोसा है कि नरेटिव, परसपेक्शन (कहानी, छवि) ही असली चीज है।और सच्चाई कोई पढ़ना नहीं चाहता। मोदी जी का कद बहुत बड़ा है और विधानसभा चुनाव बहुत छोटे हैं इसलिए इसके नतीजों से मोदी जी के प्रभाव का आकलन नहीं हो सकता।अच्छी रणनीति है! बड़ा खिलाड़ी बड़ा मैच ही जीतेगा। लेकिन वे यह भूल गए कि दूसरा भी बड़ा नहीं बहुत बड़ा खिलाड़ी बन चुका है। और साथ ही सबको लेकर चल रहा है। हिमाचल, कर्नाटक जीतकर बने माहौल को और बढ़ा रहा है। यह वसुंधरा, शिवराज, रमन सिंह का चुनाव नहीं प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का है। उधर कांग्रेस में यह राहुल, खरगे और प्रियंका गांधी के साथ कमलनाथ, दिग्विजय, बघेल,गहलोत, सचिन, सब का मिला जुला प्रयास है। मगर अब खेल बदलने की कोशिश की जा रही है। कहा जा रहा है कि ये चुनाव अगरभाजपा हार भी जाए तो अगले साल होने वाला लोकसभा का चुनाव मोदी जी ही जीतेंगे। इसके दो अर्थ हैं। एक पांच राज्यों के चुनाव भाजपा हार रही है।दूसरे भाजपा और मोदी अलग अलग हैं। मतलब मोदी भाजपा से बड़ी कोई पारलौकिकताकत हैं। जिन पर इन विधानसभा चुनावों के परिणामों का कोई असर नहीं होगा।वे लोकसभा के लिए हैं। और वहां उन्हें कोई नहीं हरा सकता। तो पहली बात कि अगर यह मान लिया कि भाजपा हार रही है तो कांग्रेस जीत रहीहै! भाजपा का दांव तो तीन ही राज्यों में है मगर कांग्रेस तो पांचोंराज्यों में लड़ रही है। और पांचों में सरकार बनाने का दावा कर रही है।एक राज्य मिजोरम में तो प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह गए तक नहीं। साढ़े9 सालों में यह पहला चुनाव ऐसा है जिसमें किसी राज्य में चुनाव हों औरमोदी और शाह नहीं गए हों। मगर बाकी चार राज्यों और खास तौर से राजस्थान जहां अभी चुनाव होना है, केसाथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का चुनाव तो मोदी और शाह ने ही लड़ा। वहांकिसी राज्य के नेता का नाम नहीं लिया गया। और मोदी के नाम पर वोट मांगेगए। मगर जिस तरह के चुनाव पूर्व सर्वे आ रहे हैं, माहौल है उसे देखते हुएलग रहा है कि कांग्रेस का यह नया प्रयोग कि केन्द्र के नेताओं के साथराज्य के नेताओं को भी जोड़कर चलो सफल हो रहा है। उधर मोदी का मैं ही सब कुछ करता हूं का सिलसिला अब टूट रहा है। मोदी नेएक तिलिस्म रचा था। 56 इंच की छाती, लाल आंखे, विश्व गुरु मगर देश मेंबढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, मणिपुर में कुछ न कर पाने की असमर्थता, यहां तककि अपने सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह पर भी महिला पहलवानों के यौन शोषण केमामले में अदालत में चालान पेश होने के बावजूद कोई कार्रवाई न कर सकने सेउनका तिलिस्म टूटने लगा है। यह विधनसभा चुनाव वाटरलू साबित हो सकते हैं। इसलिए भाजपा ने और उसकेसमर्थित गोदी मीडिया, भक्तों ने गोल पोस्ट बदल दिया है। अपना स्टेंड चेंजकर दिया है। अब कहने लगे हैं कि ये विधानसभा चुनाव मोदी की लोकप्रियता काइम्तहान नहीं हैं। उनका मैदान तो लोकसभा चुनाव है। वहां वे जीतेंगे। लेकिन अगर उनके इस तर्क को मान लिया जाए तो फिर चुनावी राज्यों में वेमुख्य और एकमात्र चेहरा क्यों थे? राजस्थान में वहां की भाजपा की सबसेलोकप्रिय नेता वसुंधरा राजे को किनारे क्यों किया गया। केवल इसलिए ना किवहां मोदी का चेहरा अकेला चमके। वसुंधरा के चेहरे में अभी इतनी दमक बचीहुई है कि अगर वह साथ होतीं तो मोदी की चमक चाहे कम नहीं करतीं मगर अपनारंग भी साथ दिखातीं। मोदी को शायद यह मंजूर नहीं था। अपने साथ किसी और को मंच शेयर नहीं करासकते। जैसे एक फिल्म आई थी संजीव कुमार की जिसमें वे 9 रुपों में थे।वैसे ही बीजेपी में हर रूप में मोदी जी हैं। उनकी फिल्म में किसी और केलिए कोई चांस नहीं है। मध्यप्रदेश में तो 18 साल के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम तकवे किसी सभा में नहीं लेते थे। मोदी ने मध्य प्रदेश के लोगों के नामचिट्ठी लिखी। कहा गया कि मोदी के मन में मध्य प्रदेश! लेकिन अब वहांमतदान हो जाने और उसकी समीक्षा हो जाने के बाद कहा जा रहा है कि जितनीसीटें आएंगी मोदी जी की वजह से बाकी लोग शिवराज का चेहरा देखते देखतेऊकता गए थे। अगर मोदी जी इतनी मेहनत नहीं करते तो इससे भी बुरी स्थितिहोती। भाजपा और उसका समर्थक मीडिया पहले से ही कहानी बनाने लगा है। ताकि 2024के चुनाव में फेश मोदी जी को पेश किया जा सके। मोदी जी और मीडिया कोअभी भी यह भरोसा है कि नरेटिव, परसपेक्शन (कहानी, छवि) ही असली चीज है।और सच्चाई कोई पढ़ना नहीं चाहता। जनता को हमेशा नकली मुद्दों में उलझाया रखा जा सकता है। हिन्दू मुसलमान चलेगा, चाहे साढ़े 9 साल से हमारी सरकारहो मगर कांग्रेस पर सवाल चलेंगे। बेरोजगारी, महंगाई, सरकारी स्कूल,अस्पताल से जनता को कोई मतलब नहीं है। मोदी जी का कद बहुत बड़ा है औरविधानसभा चुनाव बहुत छोटे हैं इसलिए इसके नतीजों से मोदी जी के प्रभाव काआकलन नहीं हो सकता। अच्छी रणनीति है! बड़ा खिलाड़ी बड़ा मैच ही जीतेगा। लेकिन वे यह भूल गएकि दूसरा भी बड़ा नहीं बहुत बड़ा खिलाड़ी बन चुका है। और साथ ही सबकोलेकर चल रहा है। हिमाचल, कर्नाटक जीतकर बने माहौल को और बढ़ा रहा है। केन्द्र में उसे अध्यक्ष के तौर खरगे जी अनुभव के साथ चुनावी सभाओं मेंप्रभाव पैदा करने वाले एक नए सहयोगी के रूप में मिल गए गए हैं। दूसरी तरफबहन प्रियंका की करिश्माई छवि हिमाचल के बाद से और निखरती जा रही है। खुदउनकी इमेज भारत जोड़ो यात्रा के बाद से पूरी तरह बदल गई है। और लोकसभा के लिए विपक्षी एकता हो गई है। जो इन विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बादऔर मजबूत हो जाएगी। तो यह दूसरा बड़ा खिलाड़ी राहुल गांधी इन पांच राज्यों के विधानसभाचुनावों से और ताकतवर होकर निकल रहा है। साथ में सबसे अच्छी बात यह है किदो सहयोगी केन्द्र में खरगे जी और प्रियंका और राज्यों में वहां के नेतासब साथ काम कर रहे हैं। यह टीम वर्क भाजपा में नहीं है। जब तक मोदी जीमें अकेले दम पर भाजपा को जिताने की क्षमता थी जीतें मिल रहीं थीं। लेकिनअब दूसरी टीम भी मजबूत हुई है और मोदी जी का फार्म गायब हो रहा है। लोग हिन्दू मुसलमान नहीं सुन रहे। वे रोजी रोटी की बात कर रहे हैं।

एक समान नागरिक संहिता, गुपचुप बढ़ते कदम

पूनम आई. कौशिश

इस संबंध में प्रस्तुत विधेयक का उद्देश्य वैयक्तिक कानूनों जैसे विवाह पंजीकरण, बाल अभिरक्षा, तलाक, दत्तक ग्रहण, संपत्ति के अधिकार, अंतर-राज्य संपत्ति अधिकारों के मामले में धार्मिक आस्था को ध्यान में रखे बिना समानता लानी है। इस विधेयक में महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा को महत्व दिया गया है तथा पैतृक संपत्ति पर बालिकाओं को समान अधिकार दिए गए हैं और लैंगिक समानता सुनिश्चित की गई है। इस विधेयक के माध्यम से राज्य में बहुविवाह प्रथा और लिव इन रिलेशनशिप पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि समान नागरिक संहिता भाजपा का मुख्य एजेंडा है और अनुच्छेद 44 में प्रावधान है कि राज्य संपूर्ण भारत में अपने नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लाने का प्रयास करेगा। इसमें धर्म को सामाजिक संबंधों तथा विवाह, उत्तराधिकार, परिवार, भूमि आदि से संबंधित वैयक्तिक कानूनों से दूर रखा गया है तथा धर्म के आधार पर विद्यमान वैयक्तिक कानूनों जैसे हिन्दू विवाह अधिनियम 1955, हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956, मुस्लिम वैयक्तिक कानून 1937 आदि में सुधार के विवादास्पद मुद्दों को नजरअंदाज किया गया है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी नागरिकों के साथ एक समान व्यवहार किया जाएगा। मोदी इसे लागू करने का समर्थन करते हैं। हाल ही में उन्होंने कहा, ''यदि एक घर में एक आदमी के लिए एक कानून हो और दूसरे आदमी के लिए दूसरा कानून हो तो क्या ऐसा घर चल सकता है? नहीं। इसलिए ऐसी दिखावटी प्रणाली से देश कैसे चल सकता है?'' प्रश्न उठता है कि अब यह कदम क्यों उठाया जा रहा है? भाजपा के गलियारों में इस बारे में चार बातें उछाली जा रही हैं। पहली, कि यह भगवा ब्रिगेड की बड़ी योजना का अंग है क्योंकि समान नागरिक संहिता का कार्यान्वयन एक राजनीतिक उपलब्धि होगी, जो कानूनों में एक समानता और सुधार के तर्क को आगे बढ़ाएगा। दूसरी, उत्तराखंड की समान नागरिक संहिता लोगों का राजनीतिक दृष्टिकोण जानने की कसौटी भी है कि इस पर लोगों की क्या प्रतिक्रिया होती है और क्या केन्द्र सरकार पूरे देश के लिए इस मॉडल को अपना सकती है। विपक्ष इस आधार पर इससे पूर्णतः असहमत है कि समान नागरिक संहिता धार्मिक समूहों के व्यक्तिगत कानूनों और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों में हस्तक्षेप करेगी और जब तक धार्मिक समूह इसमें बदलाव के लिए तैयार न हों, तब तक इसमें बदलाव न किया जाए। उनका कहना है कि यह अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक का मुद्दा है और हिन्दुत्व ब्रिगेड की भारत में रह रहे मुसलमानों के लिए नीति है। इससे भारत का विभाजन होगा और इससे भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति को आघात पहुंचेगा। तीसरी, यदि भाजपा राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव जीत जाती है, तो यह 2024 के आम चुनावों से पूर्व संसद में समान नागरिक संहिता लाएगी और इस प्रकार अपने एजेंडा के अंतिम मुख्य वायदे को पूरा करेगी, जो 2019 के लोकसभा चुनावों के घोषणा पत्र का उसका अंग था। इसके अलावा अयोध्या में राम मंदिर और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के वायदे पूरे किए जा चुके हैं। अंत में, यदि इन महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा चुनाव हार जाती है तो वह अपनी हार से ध्यान हटाने के लिए समान नागरिक संहिता ला सकती है। अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस पर पहले ही यह कहते हुए आपत्ति व्यक्त की है कि भारत एक बहु सांस्कृतिक, बहु धार्मिक समाज है तथा प्रत्येक समूह को अपनी पहचान बनाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। इसके अलावा समान नागरिक संहिता भारत की विविधता के लिए खतरा है और यह उनकी धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का अतिक्रमण है जो उनकी परंपराओं को नजरअंदाज करेगा और बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय द्वारा प्रभावित नियमों को थोपेगा। कुछ लोगों का कहना है कि यह धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करती है। इसके अंतर्गत विभिन्न समुदायों को अपने-अपने व्यक्तिगत कानून मानने का अधिकार दिया गया है। उदाहरण के लिए अनुच्छेद 25 में प्रत्येक धार्मिक समूह को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार दिया गया है और अनुच्छेद 29 में अपनी विशिष्ट संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया गया है। कुछ का मानना है कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति का अधिकार समवर्ती सूची के 52वें विषय के अंतर्गत आते हैं और इसके संबंध में केन्द्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं तथा राज्य सरकारों को इसे लागू करने का अधिकार है। राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद जैसे जनजातीय समूहों ने भी इस बारे में चिंता व्यक्त की है, जो 2016 में उच्चतम न्यायालय में गए थे और उन्होंने संभावित समान नागरिक संहिता से अपने रीति-रिवाजों और धार्मिक पद्धतियों के संरक्षण की मांग की थी।

विश्व कप क्रिकेट में हार से जीत की उम्मीद नहीं छोड़ें खिलाड़ी

विश्व कप के अंतिम नतीजों को लेकर बहुत सारे भारतीय खेल प्रेमी निराश हैं, तो कई लोग इसे राजनीतिक नजरिए से भी देख रहे हैं। जिस तरह भारतीय टीम पूरे खेल के दौरान लगातार जीत दर्ज करती रही और हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर देखा गया, कई कीर्तिमान भी बने, उसमें स्वाभाविक ही उम्मीद बनी थी कि भारत विश्व कप जीतेगा। मगर अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए वही टीम कमजोर साबित हुई, तो इसे लेकर निराशा स्वाभाविक है। मगर क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। कब किन स्थितियों में मजबूत टीम भी कमजोर पड़ जाती है, कहना मुश्किल है। कुल मिला कर देखें तो भारतीय टीम का प्रदर्शन अंतिम मैच में भी बुरा नहीं कहा जा सकता। बल्लेबाजी करते हुए उसके तीन खिलाड़ी जल्दी आउट हो गए, इसलिए टीम रक्षात्मक होकर खेलने लगी थी और रनों की दर धीमी पड़ गई। गेंदबाजी और क्षेत्र रक्षण में भी खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मगर जिस तरह लोगों में पहले से उत्साह बना हुआ था और पूरा विश्वास था कि भारतीय टीम ही इस बार का विश्व कप जीतेगी, उस धारणा के चलते बहुत सारे लोग इस मैच को खेल भावना से देख नहीं पाए और निराश हुए। जैसा कि हर हार के बाद कमजोर पक्षों को पहचानने का प्रयास किया जाता है, विश्व कप को लेकर भी अलग-अलग कोणों से इसकी पड़ताल हो रही है। बहुत सारे लोग भारतीय टीम की हार का ठीकरा खराब पिच पर फोड़ रहे हैं, क्योंकि आस्ट्रेलियाई टीम ने इसी वजह से पहले गेंदबाजी का निर्णय किया था। मगर उसी स्टेडियम में पहले भी भारतीय टीम खेल चुकी थी और वह उस पिच के मिजाज से अच्छी तरह वाकिफ थी। इसलिए पिच को दोष देना भी ठीक नहीं माना जा सकता। कई लोगों को इस बात पर हैरानी हो रही है कि आखिर के चालीस ओवरों में भारतीय टीम ने केवल चार चौके लगाए। सत्ताईस ओवरों में एक भी चौका-छक्का नहीं लगा। ऐसा क्या हो गया कि अपराजेय दिखते भारतीय खिलाड़ी इतने सुस्त पड़ गए? इसका बड़ा कारण शुरू में ही तीन खिलाड़ियों के आउट हो जाने से टीम पर पड़ा मनोवैज्ञानिक दबाव माना जा सकता है। इस तरह टीम रक्षात्मक होकर खेलती रही। मगर इसमें आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों के कौशल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को चौके-छक्के जड़ने का मौका बहुत कम दिया। कुछ लोग इसमें सट्टेबाजी का भी अंदेशा जता रहे हैं। चूंकि पहले कुछ मौकों पर ऐसा हो चुका है और उसके चलते कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर गाज भी गिर चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए एक समिति भी बनाई थी। क्रिकेट बोर्ड में राजनीतिक दखलंदाजी बढ़ने से भी भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जताई जाती रही हैं। मगर इन तमाम आरोपों और आशंकाओं के पीछे भावनात्मक खीज अधिक कही जा सकती है। इस तरह आस्ट्रेलियाई टीम की काबिलियत को बहुत कम करके आंकने का प्रयास किया जा रहा है। निस्संदेह भारतीय टीम का जीतना गौरव की बात होती, मगर इस हार का मूल्यांकन आस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन को सामने रख कर किया जाना चाहिए। पूरे खेल में उसका भी प्रदर्शन खराब नहीं कहा जा सकता। खेल को खेल भावना से ही खेला और देखा जाना चाहिए, पक्षपातपूर्ण या सियासी नजर से नहीं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5065

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5064

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5065

संकेत: बाएं से दाएं

1. कम्प्यूटर की विशिष्ट भाषा के लिखे गए निर्देश का वह समूह जो कम्प्यूटर में इनपुट किए गए डेटा को प्रोसेस करता है (3)
4. उत्तराखंड की सबसे ऊंची चोटी है (4)
7. तंदुरुस्त, स्वस्थ, आरोग्यी (5)
8. [illegible] (2)
9. [illegible] (3)
10. [illegible] (2)
11. सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक जिनका पैतृक नाम महेशदास था (4)
14. डिवाइन कॉमेडी नाम प्रसिद्ध कृति के लेखक (2)
16. यह भगवान शिव का एक नाम है (4)
18. शिष्टता, नम्रता, सुशीलता (4)
20. कोमलांगी, सुंदर स्त्री (2)
22. जंघा, जांघ (2)
24. समय का अत्यंत छोटा भाग, लम्हा (2)
25. मान-मर्यादा, गौरव, प्रतिष्ठा (2)
26. कामदेव, मनोज, मदन (4)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (3)
2. वस्तु आदि खरीदने वाला, खरीदार (3)
3. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
4. गोकुल में गोपों के मुखिया (2)
5. जो रिश्ते में पति का छोटा भाई हो (3)
6. पराक्रमी बहादुर, हिंदी साहित्य में एक रस जिसका स्थायी भाव उत्साह है (2)
10. रगड़ या पीस कर टुकड़े-टुकड़े करना (3)
12. घोड़े की काठी पर झूलता पायदान (3)
13. [illegible] (2)
14. रद, दंत (2)
15. यह ईरान की राजधानी है (4)
17. राजा, भूपति, नृपति (4)
19. घोड़े आदि की पीठ पर रखने की गद्दी (3)
21. अभिनय गति, शास्त्रीय संगीत से संबंधित एक शब्द (2)
23. संन्यासी, योगी (2)

वर्ग पहेली 5064 का हल

पे	रि	स	■	अ	धी	र	■
ज	पा	न	■	ट	र	का	ना
■	ज	म	हू	र	■	ब	म
रा	■	■	र	व	■	■	क
ज	या	ब	■	ल	ज	पु	र
कु	ल	ल	■	■	पा	र	स
मा	■	पा	ता	या	न	■	■
री	झ	■	जी	■	■	जी	■

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

नीमच जिले में सैनिकों के कल्याणार्थ 50 लाख रूपये की सहयोग राशि संग्रहण का लक्ष्य

स्वयंसेवी संस्थाओं ने सशस्त्र झंडा दिवस पर अधिकाधिक आर्थिक सहयोग का विश्वास दिलाया

नीमच, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों उनके आश्रितों के कल्याण के लिए नीमच जिले से इस वर्ष 50 लाख रूपये की सहयोग राशि संग्रहित कर, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के खाते में जमा करवाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले की सभी स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर अपनी संस्था की ओर से अधिकाधिक आर्थिक सहयोग करने का विश्वास दिलाया है।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिले की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी ने एक स्वर में सैनिकों के कल्याण के लिए हर सम्भव अधिकाधिक आर्थिक सहयोग का विश्वास दिलाया। बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, सुश्री प्रीती संघवी, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर वर्ष 7 दिसम्ब र को मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय सेना के तीनों अंगों के ऐसे वीर जवानों के सहायतार्थ मनाया जाता है, जो देश की एकता, अखंडता की रक्षा एवं सीमाओं की सुरक्षा करते हुए शहीद हो गए या सदा के लिए अपंग हो गए। इन वीर जाबांज जवानों की कुर्बानी को याद करने के लिए राष्ट्र व्दारा हर वर्ष 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस प्रतीक स्वरूप वाहन और टोकन ध्वज वितरण कर मनाया जाता है और प्रतिकात्मक ध्वजों के वितरण के दौरान स्वैच्छा से दी गई दान राशि एकत्रित की जाती है। इस निधि से प्राप्त दान राशि का इस्तेमाल इन वीर सैनिकों के आश्रितों, विकलांग सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के पूनर्वास तथा कल्याणार्थ किया जाता है। इसके अलावा एकत्रित की गई राशि से पूर्व सैनिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति, पुत्री विवाह, अपंगता अनुदान, अंत्येष्टिअनुदान, मानसिक व शारीरिक विकलांग बच्चों हेतु अनुदान आदि पुण्य कार्य भी किए जाते है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर जिले के नागरिकों, स्व यंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और सभी से मुक्त हस्त से अधिकाधिक आर्थिक सहयोग करने की अपील की है। कलेक्टर श्री जैन ने कहा, कि गैर शासकीय संस्थाएं, सामाजिक संस्थाएं से आग्रह है, इस निधि में अधिक से अधिक राशि दान एकत्र कर देश के वीर सैनिकों का सम्मांन करने का सौभाग्य प्राप्ति करें। कलेक्टर श्री जैन ने अपील की है, कि इस निधि में संग्रहित दान राशि सीधे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय व्दारा नियंत्रित खाता क्रमांक 10752354110, आरl-gamated Special Fund for Rehabilitation and Reconstruction of ESM of MP, State Bank of India, Main Branch, Mandsaur, IFSC Code SBIN0000422 में चेक, ड्राफ्ट, नेफ्ट से या सीधे बैंक, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में नगद जमा कर सकते है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस में दान की गई राशि पर, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 297(2)(के) के अंतर्गत आयकर से छूट का भी प्रावधान है। कलेक्टेर श्री दिनेश जैन ने कहा कि 7 दिसम्बर को सशस्त्र झण्डा दिवस पर विभिन्न स्तर के अधिकारीयों, भूतपूर्व सैनिकों के साथ नीमच शहर का भ्रमण कर सैनिकों के कल्याण के लिए आर्थिक सहयोग राशि एकत्रित करेंगे। स्वयंसेवी संस्थाएं, संगठन अपने समाज, संगठन के सदस्यों के साथ चर्चा कर, अधिकाधिक आर्थिक सहयोग करें। कलेक्टर ने कहा कि जिले के प्रत्येक नागरिक, सैनिको के कल्याणार्थ इस अभियान में भागीदारी बने। प्रत्येंक व्यक्ति 100 रूपये से लगाकर कम से कम एक हजार रूपये का आर्थिक सहयोग अवश्य करें।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2023- 24 के अनुपालन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्रीमान अजीत सिंह महोदय के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्रीमान हर्ष सिंह बहरावत साहब के निर्देशन में दिनांक 24 नवंबर 2023 को आदित्य पब्लिक स्कूल मंदसौर में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए सचिव ने बताया कि आज के जमाने में साइबर फ्रॉड एक बहुत गंभीर समस्या है जिसमें बच्चे साइबर अपराधियों के निशाने पर प्रमुख रूप से हैं। जिला न्यायाधीश महोदय ने विभिन्न उदाहरणों के साथ बताया की किस प्रकार से मोबाइल एवं कंप्यूटर पर अपराध कारित किया जाता है एवं उनसे बचने के क्या उपाय किए जा सकते हैं। सचिव महोदय ने किशोर वर्ग द्वारा बिना लाईसेंस एवं बीमा के लापरवाही से वाहन चलाने की प्रकृति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुरोध किया जो भी 16 वर्ष से उपर के हैं वह अपना लर्निंग लाइसेंस बनवा कर ही दो पहिया वाहन चलाएं। इसके अतिरिक्त सचिव महोदय ने किशोर न्याय अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम आदि कानूनी विषयों की भी जानकारी दी तथा भारतीय संविधान में प्रदत्त मूल अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी जागरूक किया।उन्होंने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि किसी भी कानूनी समस्या हेतु राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी से प्रवीण कुमार , विद्यालय के प्राचार्य श्री पंकज पोरवाल, शिक्षकगण एवं विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

नीट का पाठ्यक्रम हुआ छोटा, विद्यार्थी और शिक्षकों ने अपनी बात रखी

भोपाल, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने केंद्रीय

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और राज्य बोर्डों के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल बैठाते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट के (एनईईटी-यूजी) पाठ्यक्रम को छोटा कर दिया है।एनटीए द्वारा एनईईटी-यूजी पाठ्यक्रम में बदलाव की अधिसूचना से विद्यार्थियों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली है। क्योंकि बदलावों की घोषणा परीक्षा से काफी पहले ही कर दी गई है। नीट पांच मई 2024 को आयोजित किया जाएगा। अब उम्मीदवारों को अंतिम समय में बदलावों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें परीक्षा की तैयारी के लिए अपनी कक्षा 11-12 के पाठ्यक्रम से बाहर नहीं जाना होगा।

कतर में मौत की सजा पाए भारत के आठ पूर्व नेवी अफसरों की याचिका स्वीकार, जल्द होगी अदालत में सुनवाई

नईदिल्ली, 24 नवम्बर। 24 नवम्बर। भारत के लिए एक राहत की खबर सामने आयी है। दरअसल भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसरों की याचिका को कतर की कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कतर की कोर्ट जल्द ही उनकी अपील पर सुनवाई कर सकती है। बता दें कि नौसेना के इन आठ पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा सुनाई गई है।

आठ पूर्व नेवी अफसरों की मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने यह याचिका दायर की है। कतर की

अदालत ने 23 नवंबर 2023 को इसे स्वीकार कर लिया और अब अपील का अध्ययन कर जल्द इस पर सुनवाई शुरू करेगी। बता दें कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसर कतर में देहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। अगस्त 2022 में इन सभी को गिरफ्तार किया गया। कतर की सरकार ने नौसेना के पूर्व अफसरों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी नहीं दी है। बीती 26 अक्तूबर 2023 को कतर की अदालत ने इन पूर्व अफसरों को मौत की सजा सुना दी। कतर सरकार ने अभी तक आठ भारतीयों पर लगे आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि ऐसी आशंका है कि सुरक्षा संबंधी अपराध के आरोप में यह गिरफ्तारियां हुई हैं। कतर के मीडिया का दावा है कि भारतीय अधिकारी इस्राइल के लिए जासूसी कर रहे थे। भारत सरकार ने भी आरोपों की जानकारी नहीं दी है।

कतर ने कार्रवाई को गुप्त रखा– गौरतलब है कि गिरफ्तारी के कई दिनों तक इस मामले को गुप्त रखा गया और कतर में मौजूद भारतीय दूतावास के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई। एक अक्तूबर 2022 को दोहा में भारत के राजदूत और मिशन के उप-प्रमुख ने इन पूर्व अफसरों से मुलाकात की। तीन अक्तूबर 2022 को पहला काउंसलर एक्सेस दिया गया। 25 मार्च 2023 को सभी आठों अधिकारियों के खिलाफ आरोप तय किए गए और 29 मार्च से मुकदमा शुरू हो गया। 26 अक्तूबर 2023 को सभी को मौत की सजा सुनाई गई।

इन नौसैन्य अधिकारियों को मिली मौत की सजा– नौसेना के जिन पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा दी गई है उनमें कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश शामिल हैं। जिस कंपनी देहरा ग्लोबल के लिए ये भारतीय काम करते थे, उसके सीईओ खामिल अल आजमी ओमान एयरफोर्स के अफसर रह चुके हैं। आजमी को भी पहले हिरासत में लिया गया था लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था।

सर्द हवाएं चलने से सिहरन बरकरार, दो दिन बाद वर्षा के साथ ओले गिरने की भी संभावना

ग्वालियर में पारा 10.5 डिग्री पर, प्रदेश के 21 शहरों में 15 डिग्री से नीचे बना हुआ है रात का पारा

भोपाल, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना रहने से प्रदेश में सिहरन बरकरार है। इसी क्रम में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात प्रदेश में सबसे कम 10.5 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में दर्ज किया गया। दतिया में रात का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। उधर हिल स्टेशन पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। प्रदेश के 21 शहरों में तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के पास बने पश्चिमी विक्षोभ के शुक्रवार शाम तक कमजोर पड़ने के बाद उत्तर भारत से आगे बढ़ जाने की संभावना है। शनिवार से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हवा का रुख दक्षिणी होने की संभावना है। इसके असर से अरब सागर से नमी आने के कारण रविवार को भोपाल, इंदौर सहित प्रदेश के कई शहरों में गरज-चमक के साथ वर्षा होने के आसार हैं। इस दौरान इंदौर संभाग में

कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं।

चल रही उत्तर-पूर्वी हवाएं– मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि उत्तरी एवं उत्तरी-पूर्वी हवा चलने के कारण तापमान में कमी बनी हुई है। वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर के आसपास मौजूद है। इस मौसम प्रणाली के कमजोर होकर शुक्रवार शाम तक आगे बढ़ने की संभावना है। उधर शनिवार से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करने लगेगा।

छाएंगे बादल– मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मध्य प्रदेश के आसपास विपरीत दिशा की हवाओं (पूर्वी-पश्चिमी) का आपस में संयोजन होने की संभावना है। इस मौसम प्रणाली की सक्रियता से अरब सागर से नमी आने के कारण बादल छाने लगेंगे। साथ ही रविवार को प्रदेश के अधिकतर शहरों में गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान दिन के तापमान में तो कमी आएगी, लेकिन रात का तापमान कुछ बढ़ेगा।

युवक की गुमशुदगी दर्ज

पिपलियामंडी, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मां ने बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई। पिपलिया वार्ड 2, फाटक मोहल्ला निवासी मंगलाबाई पति भंवरलाल गुर्जर ने पिपलिया पुलिस थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि उनका 30 वर्षीय पुत्र राजू घर पर बिना बताए शुक्रवार शाम निकल गया, वापस नही आया। काफी तलाश करने के बाद भी राजू का पता नही चला।

मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण आज

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नोडल अधिकारी (प्रशिक्षण) मंदसौर द्वारा बताया गया कि 25 नवंबर को प्रात: 11 बजे एमओ ईवीएम एवं एमओ डाकमतपत्र का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के कक्ष क्रमांक 206 एवं 207 में मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पंचकोशी यात्रियों को टोकसर में कराया गया नर्मदा पार, सुरक्षा का रखा जा रहा विशेष ख्याल

ओंकारेश्वर से शुरू हुई पंचकोशी यात्रा अपने दूसरे पड़ाव पर टोकसर के लिए रवाना हुई

परसनावद, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। देवउठनी एकादशी पर ओंकारेश्वर से शुरू हुई पांच दिवसीय पंचकोशी यात्रा अपने दूसरे पड़ाव पर ग्राम टोकसर पहुंची। जहां सुबह से हजारों यात्रियों को नर्मदा पर उतरने के लिए प्रशासन द्वारा बनाई व्यवस्था के अनुसार कार्य किया जा रहा है। एडिशनल एसपी और एसडीएम लगातार यात्रियों को छोड़े जाने वाले कार्यों की मानिटरिंग कर रहे है।

गुरुवार को तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर से शुरू हुई, पंचकोशी यात्रा अपने दूसरे पड़ाव पर सनावद से टोकसर के लिए रवाना हुई। जहां टोकसर में नर्मदा पार उतरना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। जहां पर प्रशासन द्वारा सुबह नौ बजे से 30 से अधिक नाव के जरिए हजारों यात्रियों को छोड़ा जा रहा है।

यात्रियों को कराया गया नर्मदा पार– एसडीएम प्रदीप कुमार सोनी ने बताया कि 30 से अधिक नाव में 16 सवारी को बैठाकर लाइफ जैकेट पहनाने के साथ ही यात्रियों को नर्मदा पार छोड़े जाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें राजस्व विभाग स्वास्थ्य विभाग मंडी वन विभाग एवं अन्य विभागों को जवाबदारी दी गई है। एडिशनल एसपी सिंह बारिया ने बताया कि पुलिस द्वारा यहां पर आने वाले हजारों यात्रियों की सुरक्षा एवं उनके आने-जाने की व्यवस्था को देखते हुए बेरिकेडलगाकर इस बार व्यवस्था बदली गई है। साथ ही यहां पर आसानी से यात्री अपने गंतव्य में जाकर नर्मदा पर कर सके इसको लेकर व्यवस्था की गई है। आठ से अधिक थाना प्रभारी एसडीआरएफ की टीम सहित पुलिस अमला लगातार व्यवस्था में लगा हुआ है। यात्रियों की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोई कोताही ना रहे इस बात को लेकर विशेष नजर रख रहे हैं।

मतों की गणना के लिये इस्तेमाल की जाने वाली हर टेबल पर होगा एक माइक्रो आब्जर्वर

नीमच, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत मतगणना की प्रक्रिया पर निगरानी के लिये भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक गणना मेज पर एक माइक्रो आब्जर्वर को भी तैनात किया जायेगा। ये माइक्रो आब्जर्वर गणना सुपरवाईजर और गणना सहायक के अलावा होंगे। माइक्रो आब्जर्वर उस मेज की मतों की गणना की परिशुद्धता के लिए जिम्मेदार होगा, जिस मेज पर उसे तैनात किया जायेगा। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 दिसम्बर 2023 को मतगणना प्रात:8 बजे से पोस्टल बैलेट, और ईव्हीएम की प्रारंभ होगी। मतगणना कर्मचारियों को प्रात: 6.00 बजे मतगणना कक्षो में पहुंचना होगा।

पाक सेना ने पौराणिक शारदा पीठ की जमीन पर किया कब्जा, दीवार तोड़कर बनाई कॉफी शॉप

जम्मू, 24 नवम्बर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पौराणिक शारदा पीठ मंदिर पर पाकिस्तान सेना ने कब्जा कर लिया है। न केवल मंदिर की जमीन पर पाक सेना का कब्जा है, बल्कि मंदिर की एक दीवार तोड़कर कॉफी शॉप बना दी गई है। स्थानीय हिंदुओं ने जब इसका विरोध किया, उन्हें धमकाया गया। यहां सिविल सोसायटी के सदस्य भी पाकिस्तान सेना के खिलाफ खड़े हो गए हैं।

18 महाशक्ति पीठों में से एक है शारदा पीठ– शारदा पीठ का हिंदुओं में विशेष महत्व है। यह 18 महाशक्ति पीठों में से एक है। यह मंदिर सैकड़ों साल पुराना है। एक समय यह हिंदुओं

और बोद्ध धर्म के लोगों के लिए शिक्षा का बड़ा केंद्र था। यह स्थान नीलम और मधुमति नदी के किनारे मुजफ्फराबाद से 130 किमी दूर है। इस मंदिर की आखिरी बार मरम्मत राजा गुलाब सिंह ने 19वीं सदी में करवाई थी। इससे पहले मंदिर को कई बार नुकसान पहुंचाया गया। कभी प्राकृतिक आपदाओं के कारण, तो कभी विदेशी आक्रांताओं के कारण यह स्थान जीर्णशीर्ण होता रहा। अभी हालात हैं कि यहां 70 सालों से पूजा नहीं हुई है। पाकिस्तान सेना के आतंक के कारण यहां कोई रखरखाव नहीं हो रहा है।

मतों की गणना में प्रयुक्त प्रत्येक टेबल पर एक गणना अभिकर्ता नियुक्त कर सकेगा

नीमच, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव लड़ रहे प्रत्येक उम्मीदवार को डाक मतपत्रों की गणना टेबल सहित उसके विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना में प्रयुक्त टेबल की संख्या के बराबर गणना अभिकर्ता नियुक्त करने की अनुमति होगी। उम्मीदवार अपनी अथवा अपने निर्वाचन अभिकर्ता की अनुपस्थिति में गणना की प्रक्रिया को देखने के लिये एक अन्य गणना प्रतिनिधि रिटर्निंग ऑफिसर के मेज पर भी नियुक्त कर सकता है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गणना अभिकर्ता की नियुक्ति फॉर्म-18 में उम्मीदवार को स्वयं या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा की जानी चाहिए। गणना अभिकर्ता की नियुक्ति के बारे में किसी भी उम्मीदवार या निर्वाचन अभिकर्ता से प्राप्त किए जाने वाले, सादे कागज पर अनुरोध को आरओ द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा। फॉर्म-18 में गणना अभिकर्ता का नाम और पता भरा जाएगा और उम्मीदवार या उसके निर्वाचन अभिकर्ता व्यक्तिगत रूप से उस पर हस्ताक्षर करेंगे। गणना अभिकर्ता को भी इस पर अपने हस्ताक्षर करने होंगे। उम्मीदवार को गणना अभिकर्ता की नियुक्ति के लिये निर्धारित फॉर्म-18 की दो प्रतियाँ अभिकर्ताओं की छायाचित्रों के साथ तैयार करनी होंगी। आयोग के मुताबिक उम्मीदवार अथवा उसके निर्वाचन अभिकर्ता को फॉर्म-18 की एक प्रति मतों की गणना की तिथि से 3 दिन पहले शाम 5 बजे तक रिटर्निंग ऑफिसर को भेजनी होगी। जबकि इसकी दूसरी प्रति गणना अभिकर्ता को मतगणना के दिन रिटर्निंग ऑफिसर के सामने प्रस्तुत करने के लिये होगी।

आयुष का राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय के छात्र

आयुष परमार का राज्य स्तरीय बालक 14 वर्ष क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन हुआ। उक्त जानकारी देते हुए विद्यालय के खेल प्रशिक्षक देवेंद्र बैरागी ने बताया कि दशपुर विद्यालय के छात्र आयुष पिता दिनेश परमार कक्षा सातवीं के छात्र का संभाग स्तरीय बालक 14 वर्ष क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ यह प्रतियोगिता दिनांक 25 11 2023 से 30 11 2023 तक कटनी मध्य प्रदेश में आयोजित की जाएगी छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक प्राचार्य श्री प्रिंस वी थॉमस सुपरवाइजर श्री हकीम प्रसाद शर्मा खेल प्रशिक्षक जय विजय सिंह सिसोदिया आकाश गाजवा नवीन खोखर भरत सिंह आदि ने बधाई दी व उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

पेंशनर महासंघ की दलौदा क्षेत्रीय इकाई का पुनर्गठन सम्पन्न

प्रदेश सरकार द्वारा 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता हेतु पेंशनरों के लिये चुनाव आयोग से अनुमति नहीं मांगने से पेंशनरों में आक्रोश-राठौर

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ जिला मन्दसौर नगर की दलौदा क्षेत्रीय इकाई का पुनर्गठन जिला उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र चन्द्रे, जिला सचिव नन्दकिशोर राठौर, डे केअर सेंटर समन्वयक डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, सचिव राजेन्द्र पोरवाल एवं पुनर्गठन समिति सदस्य कोमल वाणवार के आतिथ्य में हुआ।

जिला सचिव नन्दकिशोर राठौर ने कहा कि पुर्नगठन में नये साथियों को काम एवं पुरानों को आराम मिलता है किन्तु संघर्ष तो सतत चलता रही रहता है। वर्तमान में छत्तीसगढ सरकार को निर्वाचन आयोग से 4 प्रतिशत महंगाई राहत प्रदान करने की सहमति मिली है। वहीं मध्यप्रदेश सरकार ने भी अपने नियमित कर्मचारियों को 4 प्रतिशत महंगाई राहत देने हेतु अनुमति मांगी है जो शिघ्र ही मिलने की संभावना है। परन्तु यहां प्रदेश सरकार का पेंशनरों के लिये 4 प्रतिशत राहत देने की न तो अनुमति चाही गई और न ही छत्तीसगढ सरकार को पत्र लिखा। पेंशनरों को वही रटारटाया जवाब मिल सकता है कि छत्तीसगढ सरकार को पत्र लिखेंगे। यहां एक बात समझ में नहीं आती है कि धारा 49 (6) म.प्र. एवं छत्तीसगढ दोनां प्रदेश के पेंशनरों के लिये है या सिर्फ मध्यप्रदेश के पेंशनरों के लिये है। क्योंकि छत्तीसगढ सरकार द्वारा चुनाव आयोग की अनुमति का जो पत्र लिखा उसमें कर्मचारी एंव पेंशनरों दोनों के नामों का उल्लेख है तो उन्हें अनुमति भी दोनों को डी.आर. देने की मिली है। प्रदेश सरकार के इस रवैये से पेंशनरों में आक्रोश है। इस अवसर पर बोलते हुए श्री चन्द्रे ने कहा कि त्रैवार्षिक पुनर्गठन संगठन का नियत कार्यक्रम है। जिसके अंतर्गत जिला, तहसील, नगर एवं क्षेत्रीय इकाइयों का पुनर्गठन किया जाता है। इसमें कुओं में जिस प्रकार बरसात में नये पानी की आवक से जल शुद्ध हो जाता है उसी प्रकार नये सदस्यों के पद दायित्व लेने से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होता है। डॉ. पुराणिक ने कहा कि दलौदा तहसील स्तर पर डे केअर सेंटर खोला जा सकता है। अत: इसकी मांग तहसीलदार दलौदा को देवे तथा भवन की मांग करे। दलौदा क्षेत्रीय इकाई का पुनर्गठन खेड़ापति हनुमान परिसर में सर्वानुमति से हुआ। जिसमें अध्यक्ष निर्भयराम मकवाना, सचिव जगदीश राव, सहसचिव सुरेन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष बापूलाल पाटीदार, संगठन सचिव चुन्नीलाल रायकवार तथा सदस्य शाभाराम सोनीगरा, अम्बालाल पाटीदार, भगतलाल डिंडोरिया, नागूलाल बड़गोत, बंशीलाल व्यास एवं संरक्षक नाथूसिंह सौलंकी, मांगीलाल गौड़, वरदीचंद परमार को मनोनीत किया। अतिथियों का स्वागत वजेराम चरेड़िया, माखनलाल बैरागी, रामकृपालसिंह सिसौदिया, किशोरकुमार जैन एवं सभी वरिष्ठजनों ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा हनुमानजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सरस्वती चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं प्रेरणा गीत से हुई।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	331	2001	2300
उडद	40	4953	8650
सोयाबीन	10000	4600	5101
गैहु	3250	2570	3060
चना	258	5240	6100
मसुर	222	4401	6132
धनिया	429	6200	7700
लहसुन	15000	11050	21500
मैथी	770	5800	7010
अलसी	1579	4646	5305
सरसो	408	5191	5371
तारामीरा	1	4622	4622
इसबगोल	40	11001	20000
प्याज	10000	650	3600
कलोंजी	81	9400	16700
डॉलर	34	7511	14399
तिल्ली	15	11901	16899
मटरसुखी	15	2150	3400
असालीया	49	6500	10890

कक्षा 9वीं में नामांकन के लिए 30 तक कर सकते हैं आवेदन, आयुसीमा में रियायत

माशिमं ने नियमों में किया बदलाव, 9वीं के नामांकन में न्यूनतम आयु को लेकर एक साल की दी ढील

भोपाल, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा दाखिले के लिए न्यूनतम आयु संबंधी नए नियम से 9वीं कक्षा में नामांकन के लिए हजारों विद्यार्थियों को परेशानी हो रही थी। इसे देखते हुए कई प्राचार्यों ने माशिमं के सचिव को पत्र लिखा था। इसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने 9वीं के नामांकन में उम्र के बंधन में छूट दे दी है। शासन ने पिछले साल के नियम लागू कर दिए हैं। यह नियम सिर्फ सत्र 2023-24 के लिए मान्य होंगे। इस संबंध में मंत्रालय से आदेश जारी हो गए है। अब 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन हो सकेगा। इस संबंध में माशिमं ने नियमों को शिथिल करते हुए पत्र जारी किया है। इसके अनुसार विद्यार्थी 30 नवंबर तक नौवीं में नामांकन करा सकते हैं।

दरअसल मप्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली कक्षा में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु पांच वर्ष की है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी हर साल जारी निर्देशों में पांच वर्ष की न्यूतनम आयु के विद्यार्थियों को पहली कक्षा में प्रवेश देने के लिए सत्र की शुरुआत में निर्देश जारी करता है। इसके अनुसार माशिमं भी 9वीं के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 साल (5 प्लस 8) की है। लेकिन, कई विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी हैं।

उम्र के बंधन में दी छूट...

वर्तमान में माशिमं में 9वीं के नामांकन का कार्य चल रहा है। जिसमें 31 दिसंबर 2010 के बाद जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का 9वीं में नामांकन नहीं हो रहा था। इससे हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया। मामले में माशिमं ने मप्र शासन, राज्य शिक्षा केंद्र के पहली कक्षा में प्रवेश के नियम शासन को ही भेज दिए थे। जिसमें बताया गया है कि शासन ने पहली में

प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच साल निर्धारित की है। इसके अनुसार मंडल में 5 प्लस 8 यानि 13 साल की उम्र में नवमीं का नामांकन हो रहा है। राज्य शासन ने उम्र के बंधन में शिथिलता प्रदान कर दी है। शासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि नौवीं में नामांकन पिछले साल के नियमों के आधार पर इस वर्ष सत्र 2023-24 में होंगे। यह नियम सिर्फ वर्तमान सत्र के लिए मान्य किए गए है।

गलत उम्र में प्रवेश देने के कारण आई विसंगति...

मप्र स्कूल शिक्षा विभाग प्रारंभिक कक्षा के नाम पर बच्चों को तीन से पांच साल की उम्र में आंगनवाड़ी में प्रवेश दिलाता है। इसके बाद विद्यार्थी न्यूनतम पांच से सात साल की उम्र में पहली कक्षा में प्रवेश लेते है। आठवीं पास करने के बाद विद्यार्थियों की उम्र 13 साल होना चाहिए। लेकिन राज्य शिक्षा केंद्र ने पहली में न्यूनतम आयु पांच वर्ष से कम उम्र के विद्यार्थियों के प्रवेश भी ले लिए। इससे आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए इस साल हजारों विद्यार्थियों की उम्र 12 साल के आसपास है। अब इन विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन होना है। नौवीं में 13 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों का मंडल में नामांकन नहीं हो पा रहा था। अब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली में विद्यार्थियों को गलत उम्र में दिए प्रवेश नामांकन में परेशानी कर रहे थे। इसे देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने इस सत्र में उम्र के बंधन में छूट दे दी है।

चंबल के पानी मामले में मजे में राजस्थानी

किस्मत लिखाकर आए राजस्थानी, करोड़ों खर्च करने के बाद भी मंदसौर में तनाव बरकरार

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चंबल नदी मंदसौरं से होकर बहती है। एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मीत झील पर गांधी सागर बांध जिले में बना हुआ है। इसके बाद भी पानी के मजे राजस्थान ले रहा है। चंबल योजना पर करोड़ो रूपए खर्च करने के बाद भी मंदसौर के लोग पूरी तरह से चंबल योजना के भरोसे नहीं रह सकते। कभी वोल्टेज तो कभी पाइप लाईन तो कभी कोई तकनीकी समस्या हमेशा से चली आ रही है। इधर गांधी सागर की बात करें तो राजस्थान की फसलें बांध का पानी पीकर गजब की लहलहाती है तो वहीं अब जाकर करोड़ो की योजना तैयार की गई है। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं पानी के मामले में राजस्थान नसीब लिखाकर आया है या मंदसौर जिले के जनप्रतिधियों और अधिकारियों ने बांध-नदी के पानी को लेकर कभी कोई रुचि नहीं ली।

राजस्थान के 61 लाख लोग तर...

चंबल के पानी से प्यास बुझाने का सपना काफी समय पहले दिखाया गया था। सपना दिखाकर जलकर भी बढ़ा दिया गया। अभी तक करोड़ो रुपए चंबल के पानी के नाम पर वसूली की जा चुकी है। लेकिन, अभी भी स्थिति यह है कि चंबल के पानी के भरोसे नहीं रहा जा सकता। वोल्टेज की समस्या के कारण 23 दिन से शिवना से काम चलाना पड़ रहा है। समस्या पहली बार नहीं आई। बल्कि समय समय पर कोई न कोई दिक्कत चंबल योजना में आती रही है। इधर राजस्थान के जनप्रतिनिधियों की जागरुकता और अधिकारियों की गंभीरता से चंबल का पानी 61 लाख लोगों की प्यास बुझा रहा है। इसमें ऐसे शहर भी है जो चंबल से काफी दूर है। राजस्थान के 11 बड़े शहरों सहित सैकड़ों गांव चंबल नदी से लगभग 827 मिलियन लीटर (82.70 करोड़ लीटर यानी राष्ट्रीय मानक 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से लगभग 61 लाख लोगों के लिए रोज का पानी) पानी ले रहे हैं।

पानी पर भी राजस्थानियों का कब्जा...

इधर गांधी सागर बांध के पानी का पूरा मजा भी राजस्थानी ले रहे हैं। बांध बना जरुर मप्र के मंदसौर जिले में है। लेकिन, सहेजे गए पानी का अधिकांश हिस्सा राजस्थान में उपयोग हो रहा है। मप्र और राजस्थान के बीच बांध का जल विवाद लंबित है। इसमें कई राजनीतिक पेंच भी बार बार सामने आते रहे। जिसके कारण विवाद नहीं सुलझ पाया। लेकिन, वहां के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा तैयार की गई रणनीति और योजना इतनी कारगर रही कि जहां लोगों की प्यास चंबल बुझा रही है। वहीं बांध फसलों की प्यास बुझाने का काम कर रहा है।

मंत्रियों से सजा रहा मंदसौर जिला...

मंदसौर जिला प्रदेश की राजनीति में काफी वजन रखता है। यहां के वजनदार नेता सरकार तक गिराने में सक्षम माने जाते हैं। यहां तक की विस और लोस टिकीट में भी यहां के नेताओं की राय महत्वपूर्ण होती है। सरकार किसी की भी हो यहां से दो या तीन मंत्री मानना तय है। लेकिन पानी के लिए तैयार की गई योजनाओं में मंदसौर हमेशा पीछे रहा है। आजादी के इतने साल बाद अब जाकर गांधी सागर का पानी खेतों तक लाने की योजना तैयार की गई। इधर चंबल के पानी से प्यास बुझाने की योजना भी धरातल पर सालों बाद उतरी। वहीं बावन करोड़ खर्च के बाद भी दिक्कतों का दौर जारी है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा...

हिन्दू विश्व के कोने-कोने में जमीन जीतने नहीं गए, हमने दिल जीते हैं

बैंकॉक, 24 नवम्बर। थाईलैंड के प्रधानमंत्री शेत्ता थाविसिन ने आशा व्यक्त की है कि उथल-पुथल से जूझ रही दुनिया सत्य, सहिष्णुता और सौहार्द्र के हिंदू जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेगी और विश्व में शांति स्थापित हो सकेगी। विश्व में हिन्दुओं की एक प्रगतिशील और प्रतिभासंपन्न समाज के रूप में पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से तीसरे वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस का आज यहां भव्य शुभारंभ हुआ।

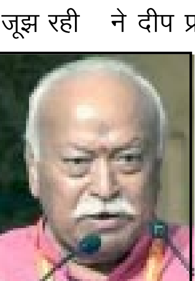

धर्म की विजय के उद्घोष के साथ प्रख्यात संत माता अमृतानंदमयी, भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी पूर्णात्मानंद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, विश्व हिन्दू परिषद के महामंत्री मिलिंद परांडे तथा कार्यक्रम के संस्थापक-सूत्रधार स्वामी विज्ञानानंद ने दीप प्रज्वलन से सत्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में मेजबान देश के प्रधानमंत्री थाविसिन को भाग लेना था, लेकिन किन्हीं कारणों से वह नहीं आ सके। सभा में थाई प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा गया। उन्होंने संदेश में कहा कि थाईलैंड के लिए हिन्दू धर्म के सिंद्धांतों और मूल्यों पर आयोजित वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस की मेजबानी करना सम्मान की बात है। हमारी भारत से भौगोलिक दूरी जो भी है लेकिन हिन्दू धर्म के सत्य और सहिष्णुता के सिद्धांतों का हमेशा से आदर रहा है। आशा है कि आज की इस उथल-पुथल भरी दुनिया सत्य, सहिष्णुता और सौहार्द्र के हिंदू जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेगी और विश्व में शांति स्थापित हो सकेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि अगर पूरा विश्व सद्भाव चाहता है, तो भारत के बिना यह संभव नहीं है। दुनिया में जो लोग इस दुनिया को एक साथ चाहते हैं, जो एक साथ सबका उत्थान चाहते हैं, वे धर्मवादी हैं। हिंदुओं के प्रति धर्म का दृष्टिकोण वैश्विक धर्म विचारों को जन्म देगा। दुनिया हमारी ओर आशा भरी नजरों से देख रही है और हमें इसे पूरा करना है। भागवत ने सम्मेलन के ध्येय वाक्य में जयस्य आयतनं धर्मः की व्याख्या करते हुए कहा कि सनातन धर्म में जय का अर्थ लड़ कर जीतना और शत्रु का दमन करना नहीं है। हमारे लिए विजय का अभिप्राय धर्म से है। धर्म की सदा जय ही होती है और यह सबके उत्कर्ष, सबके सुख, सबको जोडने और सबको साथ लेकर चलते हुए विविधता में भी एकता का काम करता है। यही हमारी परंपरा रही है। सरसंघचालक ने कहा कि धर्म सातत्य और संतुलन या मध्यम मार्ग का नाम है। इसलिए इससे कट्टरता और उग्रवाद का शमन होता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी जो लोग लडना नहीं चाहते, उन्हें भी धर्म की रक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए लडना पड़ता है।

उन्होंने तमिल कवि तिरुवल्लुवर के कुरल को उद्धृत करते हुए कहा कि घृणा, वासना, क्रोध और अभद्र वचन को छोड़कर जो कुछ भी है, वह सब धर्म ही है। उन्होंने कहा कि हम कोई आंदोलन या प्रदर्शन नहीं बल्कि हिन्दुओं को मजबूती से जोडने वाले संगठन हैं। दुनिया में खुशी एवं शांति प्राप्त करने के लिए भौतिकता पर आधारित कई प्रयोग हुए हैं। लेकिन कोई संतोष और समाधान नहीं मिला। कोरोना महामारी के बाद दुनिया ने देखा कि उन्हें जो चाहिए वो भारत दे सकता है। भागवत ने कहा कि विविधता में एकता कहने वाले लोग यदि समझ लें और अनुभव कर लें कि विविधता का मूल ही एकता है तो उन्हें संतोष की अनुभूति हो जाएगी। यह एक बड़ा काम है। उन्होंने कहा कि हिन्दू विश्व के कोने-कोने में गये लेकिन कोई जमीन जीतने नहीं गए। बल्कि दुनिया भर में प्रताडित लोगों को सांत्वना भारत में ही मिली। हमने लोगों के हृदय जीते हैं और आगे भी जीतना है। उन्होंने कहा कि पहला कदम, हर हिंदू को जोडें। तब हिंदू शेष विश्व को जोड़ेंगे। यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक साथ रहना चाहते हैं, जो एक साथ मिलकर उत्थान चाहते हैं, वे हिंदू हैं। इस सम्मेलन में लक्ष्य तय होना चाहिए और हमें अगले साल आने वाले सम्मेलन से पहले पूरा करना चाहिए। हमारा राष्ट्रीय कार्य धर्म विजय सभी के लिए है, भौतिक विजय नहीं। भारत सनातन धर्म के लिए उठ रहा है। माता अमृतानंदमयी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भारत वह भूमि है, जिसने विश्व को परम सत्य का मार्ग दिखाया है। हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं। इससे पहले भागवत ने माता अमृतानंदमयी को हिन्दू धर्म के प्रचार प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए शाल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया। सभा को विहिप के महामंत्री मिलिंद परांडे, स्वामी पूर्णात्मानंद जी और हिन्दूइज़्म के प्रधान संपादक आचार्य आरुमुगानाथ स्वामी ने भी संबोधित किया। वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस में दुनिया के 61 देशों से आमंत्रित 2200 से अधिक ऐसे प्रतिनिधियों का जमावड़ा हुआ है जो शिक्षा, अर्थतंत्र, अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास, मीडिया और राजनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें से करीब 25 देशों के सांसद एवं मंत्री शामिल हैं। थाईलैंड में भारतीय समुदाय के करीब 10 लाख लोग रहते हैं जिनका देश के व्यापार और आर्थिक विकास में योगदान उल्लेखनीय है। सम्मेलन में थाई प्रधानमंत्री के नहीं आने से स्थानीय लोग निराश दिखे।

लहसुन से भरा ट्रक पलटा, जनहानि नहीं

ट्रेफिक जाम, दो घंटे वन-वे किया आवागमन

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। हर्कियाखाल से नीमच आते समय चौकी के पास हाइवे पर एक लहसुन से भरा ट्रक पलट गया। हादसे में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन करीब दो घंटे पुलिस प्रशासन को यातायात वन-वे करना पड़ा। एक ही पट्टी से आवागमन जारी रहा। घटना पर तत्काल पुलिस ने मदद बुलवाकर ट्रक व लहसुन को मार्ग से हटवाया।

मिली जानकारी के अनुसार नीमच मंडी में लहसुन के अच्छे दाम मिलने पर गुरुवार को बड़नग़र के लोहाना गांव से कुछ किसान एक ट्रक में अपना लहसुन भरकर नीमच आ रहे थे। ट्रक में किसान शंभूलाल यादव, भोला यादव भी सवार थे। गुरुवार शाम को नीमच के पहले हर्कियाखाल चौकी से कुछ दूरी पर ट्रक पलट गया। किसानों के अनुसार ट्रक का टायर फटने से यह दुर्घटना हुई। हालांकि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, किसानों को मामूली चोट आई। हादसे में ट्रक से सारा लहसुन सड़क पर बिखर गया। इसके चलते हाइवे पर एक तरफ का मार्ग बंद करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस ने ट्रक व लहसुन हटवाने का कार्य शुरू किया। इस दौरान करीब दो घंटे एक रोड से ही यातायात का आवागमन जारी रहा। हाइवे से ट्रक व लहसुन हटवाने के बाद यातायात सुचारू हुआ।

हर्कियाखाल चौकी के पास हाइवे पर ट्रक पलटने के बाद पुलिस ने चौकी के यहां बैरिकेड लगाकर मार्ग बंद कर दिया। इसके बाद भी एक बाइक सवार बैरिकेड के बीच की जगह से निकलकर नीमच तरफ जाने लगा। इसके चलते वह आगे पलटे ट्रक में जा घुसा और घायल हो गया। उसके सर में चोट आना बताया जा रहा है। युवक की स्थिति गंभीर होने पर दो व्यक्ति उसे बाइक पर बैठाकर नीमच के बड़े अस्पताल लाए, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

श्री रामानुज कोट में भागवत कथा में निग्रहाचार्य श्री भागवतानंद गुरु जी के उद्गार...

प्रकृति के कण-कण में परमात्मा विद्यमान हैं

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। संपूर्ण प्रकृति परमात्मा का ही स्वरुप है। प्रकृति के कण-कण में परमात्मा विद्यमान है। नदियां भगवान की नाड़ियां हैं वृक्ष उनके रोम रोम हैं।बादल उनके केश और प्राणी मात्र उनके नख और मुख हैं। इसीलिए कहा गया है की प्रकृति की पूजा ही ईश्वर की पूजा है। यह उद्गार निग्रहाचार्य श्री भागवतानंद गुरुजी ने श्री रामानुज कोट खानपुरा में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में व्यास पीठ से व्यक्त किए। आपने कहा कि यह जो विज्ञान है इसके मूल में हमारा ज्ञान ही है। बिना ज्ञान का विज्ञान आधार कार्ड में छपी फोटो की तरह अस्पष्ट होता है। पृथ्वी ब्रह्मांड का एक अंग है और संपूर्ण ब्रहमांड एकारवा नमक समुद्र में मग्न है। जिसे केवल भगवान ही देख सकते हैं यह सृष्टि परमात्मा की परछाई ही है। वे सूक्ष्म में भी हैं और स्थूल में भी है।

आपने कहा कि श्रीमद् भागवत पुराण हमें जीवन मरण के चक्र से बाहर निकालता है हमारे मरण शील जीवन को तत्वज्ञान कराता है। शुद्ध हृदय में परमात्मा का वास होता है,जिनके हृदय शुद्ध है देवों के देव महादेव शिव उन्हें प्रणाम करते हैं। भक्त ध्रुव को अपने ध्रुव पद प्राप्ति की भी ग्लानि हुई कि उन्होंने परमात्मा को क्यों नहीं मांगा। कथा में सायंकाल आरती के समय व्यास सम्मान और पोथी पूजन में सांसद सुधीर गुप्ता, शिक्षाविद रमेशचंद्र चन्द्रे, बालूसिंह सिसोदिया, प्रमोद तोषनीवाल, घनश्याम भावसार, कथा शुभारंभ सत्र में कृष्णचंद्र चिचानी महेंद्र दूरग, देवेश्वर जोशी, ब्रजेश जोशी, चारभुजा नाथ मंदिर पंच माहेश्वरी ट्रस्ट के पदाधिकारी सदस्यगण गोष्ठी मंडल के सदस्यगण आदि उपस्थित थे। प्रसादी के लाभार्थी अभिषेक पटवा और घनश्याम भावसार थे। पूजा विधि पं. सुदर्शन आचार्य व विद्वान ब्राह्मण पंडितों ने संपन्न कराई। समिति प्रवक्ता सुरेश भावसार ने बताया कि 27 नवंबर को भागवत कथा का समापन होगा। प्रतिदिन दोपहर 12 से सायंकाल 4 बजे तक कथा का समय है। अंतिम एक घंटा चार से पांच प्रश्नोत्तरी का सत्र होता है। समिति ने धर्मालुजनों से कथा श्रवण का लाभ लेने का अनुरोध किया गया है।

प्याज के भाव में तेजी...

थोक में 40 व खेरची में 50 रुपए किलो तक बिक रहा प्याज

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के पहले से प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं। अब कृषि उपज मंडी के साथ सब्जी मंडी में भी नई प्याज की आवक शुरू हो गई है। बावजूद भाव आसमान छू रहे हैं। कृषि मंडी में प्याज जहां 12 से 40 रुपए किलो तो सब्जी मंडी में 18 से 45 रुपए किलो तक थोक भाव में बिक रहे हैं। खेरची में आज भी भाव 20 से 70 रुपए किलो है। व्यापारियों के अनुसार नई प्याज की आवक तो शुरू हो गई है। लेकिन, अधिकांश प्याज राजस्थान भेजा जा रहा है। इससे भाव में तेजी है। 15 दिन बाद आवक बढ़ते ही पुराने भाव पर प्याज आ जाएगा।

मौसम की गड़बड़ी और कम बारिश होने के कारण इस साल प्याज की फसल पर असर पड़ा है। सबसे ज्यादा प्याज महाराष्ट्र से आता है। वहां फसल देर से होने के साथ ही पानी की कमी के कारण उत्पादन भी कम होने की संभावना है। अभी नीमच में महाराष्ट्र के साथ रतलाम से आने वाला प्याज भी नहीं आ रहा है। वहीं नीमच जिले व आस-पास से आने वाले प्याज को थोक व्यापारी राजस्थान सहित अन्य राज्यों में भेज रहे हैं। इससे नीमच में थोक के साथ खेरची भाव तेजी लिए है। थोक-खेरची व्यापारी अशफाक कुरैशी ने बताया कि फसल देरी से होने के कारण मांग अनुरूप आवक नहीं हो रही है। लोकल प्याज भी अच्छे भाव के कारण राजस्थान भेजा जा रहा है। आवक शुरू होने पर 15 दिन बाद दाम में कमी आ जाएगी।

कलेक्टर ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने मतगणना केंद्र पर मतगणना कर्मियों, मतगणना अभिकर्ताओं और मीडियाकर्मियों के प्रवेश की व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था, मीडिया सेंटर, चिकित्सा कक्ष, सहित अन्य व्यवस्थाओं का मौके पर अवलोकन किया और संबंधित नोडल अधिकारियों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मतगणना केंद्र पर मीडिया सेंटर तक मीडिया कर्मियों को मोबाईल ले जाने की अनुमति रहेगी। इसके अलावा किसी को भी मतगणना स्थल पर बगैर वैध प्रवेश पत्र के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मतगणना केंद्र पर मोबाईल के साथ प्रवेश पूर्णत: वर्जित रहेगा।

गणित विभाग के 6 विद्यार्थियों का सेट परीक्षा में चयन

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के गणित विभाग के 6 विद्यार्थियों आदित्य परिहार, राजेश धाकड़, विनोद पाटीदार, काशीराम प्रजापति, बालाराम कलेसरिया एवं अश्विनी पंवार ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के पद हेतु राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) के घोषित परिणाम में स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय एवं मन्दसौर का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. टी.के. झाला सहित महाविद्यालय परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उत्तराखण्ड टनल में फंसे 41 मजदूरों की सकुशल वापसी के लिए शिवघाट पर किया अभिषेक व पूजन

नीमच, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। उत्तराखंड के उत्तर काशी में फंसे 41 मजदूरो की सकुशल वापसी के लिए आज प्रदोष के दिन शिवघाट मंदिर में विद्वान पंडितों द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई। इस विशेष पूजा में आषुतोष भगवान शिव का अभिषेक पूजन किया गया। जाप भी किए गए तथा भगवान भोलेनाथ से पूजन के द्वारा यह प्रार्थना की गई कि उत्तराखंड के उत्तर काशी में पिछले 12 दिन से जो 41 मजदूर टनल में फंसे हुए है, जिनको निकालने के लिए राज्य और केन्द्र सरकार की एजेंसियां दिन रात प्रयास कर रही है लेकिन कोई न कोई रूकावट आ रही है जिसे दृष्टिगत रखते हुए 24 नवंबर शुक्रवार प्रदोष के दिन नीमच के प्राचीन शिवघाट महादेव मंदिर में उन 41 मजदूरों की सकुशल वापसी के लिए नीमच के विद्वान पंडितो पं.जयप्रकाश शास्त्री, पं. प्रेमप्रकाश गौड, पं.घनश्याम व्यास (शास्त्री), पं.लक्ष्मण शास्त्री, पं.अभिनव शर्मा द्वारा भोलेनाथ जी का पूजन अभिषेक किया गया।

भगवान खाटू श्याम जन्मदिन पर भजन संध्या सम्पन्न

पिपलियामंडी, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भगवान खाटू श्याम के जन्मदिन पर पिपलिया स्टेशन मार्ग गोपाल धर्मशाला के सामने श्री श्याम सलोना, अग्रवाल मित्र मंडल की ओर से भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदसौर के श्याम भजन गायक सतीश हाडा एवं भीलवाडा की गायिका चंचल मालवीय ने भजन प्रस्तुत किए। श्याम बाबा के जन्मदिन पर भव्य आतिशबाजी की। छप्पन भोग व बाबा को चूरमे का भोग लगाया गया। मंदसौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता, मंडल के राजेश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, प्रकाश बंसल, दिलीप गोयल, विनीत गोयल, कार्तिकेय अग्रवाल, प्रशांत गर्ग, तरुण गोयल, रोहित गोयल, अंकुर गोयल, धीरज अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, रॉकी गोयल सहित बडी संख्या धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण

नीमच, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं एसपी श्री अमित कुमार तोलानी ने गुरुवार की शाम को विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत नीमच में मतगणना के लिए स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर एवं एसपी ने सीसीटीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम परिसर की जा रही निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था कार्य का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर तहसीलदार श्री प्रेमशंकर पटेल, श्री संजय मालवीय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कर्मचारी मतगणना सावधानी पूर्वक करें-कलेक्टर

मंदसौर, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मतगणना के लिए नियुक्त गणना सहायक, गणना पर्यवेक्षक को कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में श्री जेके जैन द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने बताया कि मतगणना के लिए नियुक्त सभी कर्मचारी मतगणना सावधानी पूर्वक करें। इसमें किसी तरह की गलती ना हो। गणना के दौरान पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता बरते तथा निर्वाचन नियमों का पालन करें। मतगणना कार्य के लिए गणना

सहायक, गणना पर्यवेक्षक, माइक्रो प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं। वहीं डाक मतपत्र की गणना के लिए माइक्रो प्रेक्षक, गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक नियुक्त किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र की मतगणना का कार्य राउंड बाय राउंड होगा। प्रशिक्षण के दौरान श्री जेके जैन प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया के बारे में समझाया। इस दौरान मन्दसौर, मल्हारगढ, सीतामऊ एवं गरोठ के रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित थे।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 25 नवम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 26 नवम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-* चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, * एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, * शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, * गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, * असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, * शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, * लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, * बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा संबंधित समस्याएं, * नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, * सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in